Ans. (c) : मेनाल में सुहवेश्वर शिव मंदिर का निर्माण चौहान वंशीय शासक पृथ्वीराज द्वितीय ने कराया था। यह मंदिर धार्मिक श्रद्धा और प्रकृति के सौंदर्य का अद्भुत संगम है। मंदिर में गर्भगृह, अंतराल, संवरण छत वाला एक रंगमंडप तथा एक छोटा प्रवेश मंडप के साथ उसके सामने स्थित नंदी मंडप स्थित है।

1037. लोक कला मन्दिर कहाँ स्थित है?

(a) उदयपुर (b) जयपुर
(c) बीकानेर (d) जोधपुर

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (a) : लोककला मंदिर/मंडल राजस्थान के उदयपुर शहर में स्थित है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 1952 में देवीलाल समर ने की थी। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य कठपुतली कला का विकास करना है।

1038. आभानेरी के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/कौन से विकल्प सही है?
(i) यहाँ निर्मित हर्षत माता मंदिर प्रतिहारों के सामंत चौहानों ने बनवाया था।
(ii) यहाँ की चाँद वावड़ी विश्व प्रसिद्ध है।
(iii) यहाँ का पिप्पलाद माता का मंदिर प्रसिद्ध है।
सही कूट चुनिए-

(a) केवल (2) (b) (1) और (2)
(c) (1), (2) और (3) (d) केवल (3)

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (b) : राजस्थान की सबसे प्राचीन बाबड़ी, चाँद बावड़ी है। यह राजस्थान के दौसा जिले की बांदीकुई तहसील से 7 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित आभानेरी गाँव में स्थित है। इस बावड़ी का निर्माण चौहान वंश के राजा चांद ने कराया था। इस बावड़ी में 13 मंजिल है तथा यह चारों ओर से 35 मी. चौड़ी है।

1039. निम्नलिखित में से कौन-सा मंदिर गुर्जर-प्रतिहार वास्तु शैली का नहीं है?

(a) गोठ मांगलोद का दधिमति माता मंदिर
(b) किराडू का सोमेश्वर मंदिर
(c) ओसियां का सूर्य मंदिर
(d) चारचौमा का शिव मंदिर

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022

Ans. (a) : गोठ मांगलोद दधिमाता का मंदिर राजस्थान के नागौर जिले में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण गुप्तकाल में हुआ था। दधिमती को ऋषि दधीचि की बहन कहा जाता है। यह उत्तरी भारत के सबसे पुराने जीवित मंदिरों में से एक है।

1040. दधीमती माता का मन्दिर स्थित है-

(a) कंसुआ (कोटा) (b) ओसियां (जोधपुर)
(c) गोठ-मांगलोद (नागौर) (d) पीपलूद (बाड़मेर)

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

1041. तुलजा भवानी का मंदिर स्थित है-

(a) नाडौल (b) बारां
(c) चित्तौड़गढ़ (d) राजसमंद

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (c) : तुलजा भवानी मंदिर चित्तौड़गढ़ किले के मुख्य द्वार पर स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 1535 ई. को आसपास बनाया गया था। इसे तुयी भवन के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर की वास्तुकला उल्लेखनीय है और विभिन्न हिन्दू देवी-देवताओं के चित्र की दीवारों पर सुशोभित है। यह मंदिर चित्तौडगढ़ के मूल निवासियों की कलात्मक प्रतिभा का प्रतीक है।

1042. शिला देवी का मंदिर निम्नलिखित में से किस किले में अवस्थित है?

(a) अचलगढ़ (b) कुम्भलगढ़
(c) आमेर (d) मेहरानगढ़

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (c) : शिला देवी का मंदिर आमेर के किले में अवस्थित है। 16वीं सदी के अंत में शिला माता की प्रतिमा को आमेर के महाराजा मानसिंह प्रथम द्वारा पूर्वी बंगाल से लाई गई। यह कछवाहा वंश की आराध्य देवी है। कछवाहा लोग शुभ अवसरों पर इनसे आर्शीवाद लेने आते है।

1043. निम्नलिखित में से कौन सा मंदिर चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित नहीं है?

(a) चामुण्डा मंदिर (b) सातवीश देवरी
(c) समिद्धेश्वर मंदिर (d) तुलजा भवानी मंदिर

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (a) : चित्तौड़गढ़, दुर्ग में स्थित प्रमुख मंदिर - समधिश्वर मंदिर, कुंभस्वामी मंदिर, मीराबाई मंदिर, सातवीश देवरी मंदिर, तुलजाभवानी मंदिर आदि है। चामुंडा मंदिर, चित्तौड़गढ़ दुर्ग में नहीं स्थित है।

1044. जयपुर के गोविन्ददेवजी मंदिर का निर्माण किसने करवाया?

(a) महाराजा प्रतापसिंह (b) सवाई जयसिंह
(c) सवाई ईश्वरसिंह (d) राजा मानसिंह

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा 2018

Ans. (a) जयपुर स्थित गोविन्ददेव जी मंदिर का निर्माण 1735 ई. में सवाई प्रताप सिंह द्वितीय ने करवाया था, यह मंदिर गौड़ीय सम्प्रदाय का प्रमुख मंदिर है। वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी इनके बालरूप की पूजा करते हैं, तो गौड़ीय सम्प्रदाय वाले युगल रूप अर्थात् राधाकृष्ण के रूप में पूजते हैं। गोविन्ददेव जी की यह मूर्ति सवाई जयसिंह द्वारा वृन्दावन से लाकर जयपुर में प्रतिष्ठापित की गई थी।

1045. करौली का कैलादेवी मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है?

(a) काली सिंध (b) पार्वती
(c) कालीसिल (d) बामरी

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (c) : करौली का कैलादेवी मंदिर बनास नदी की सहायक नदी कालीसिल नदी के किनारे स्थित है।

1046. कैलादेवी मन्दिर कहाँ स्थित है?

(a) करौली (b) टोंक
(c) कोटा (d) सवाई माधोपुर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

1047. लौद्रवा प्रसिद्ध है-

(a) जैन मंदिर के लिए
(b) वैष्णों देवी मंदिर के लिए
(c) रामदेव मंदिर के लिए
(d) लक्ष्मीनारायण मंदिर केलिए

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022